GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 66
ANSWERED ON 22.07.2022

DISCONTINUED STOPPAGES OF TRAINS IN BIHAR

66 # SHRI RAM NATH THAKUR:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the names of trains passing through Bihar whose stoppages at various stations have been discontinued post COVID-19 phase along with the names of such stations, Zone-wise/Division-wise;

(b) the details of discontinued stoppages of trains at various stations in Bihar during the last three years; and

(c) the number of railway stations in Bihar at which Government plans to make stoppages for various trains?

ANSWER

MINISTER OF RAILWAYS

(SHRI ASHWINI VAISHNAW)

(a) to (c): A Statement is laid on the Table of the House.

******

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (c) OF STARRED QUESTION NO. 66 BY SHRI RAM NATH THAKUR ANSWERED IN RAJYA SABHA ON 22.07.2022 REGARDING DISCONTINUED STOPPAGES OF TRAINS IN BIHAR.

(a) to (c) Indian Railways (IR) do not operate train services on State-wise basis as railway network straddles across the State boundaries. Further, Indian Railways, with the assistance of IIT-Bombay, have undertaken rationalization of time table, *inter alia* to provide for better passenger safety by creating maintenance corridor blocks, minimizing conflicts in existing time table, etc. The exercise also included rationalization of stoppages. Accordingly, stoppage of some trains at 94 stations over East Central Railway, Eastern Railway, North Eastern Railway and Northeast Frontier Railway located in the State of Bihar, have been discontinued. However, these stations are being served by adequate number of train services, subject to operational feasibility and commercial justification. Besides, provision and rationalization of stoppages is an ongoing process on Indian Railways.

*****

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
22.07.2022 के
तारांकित प्रश्न सं. 66 का उत्तर

बिहार में रेलगाड़ियों के स्टॉपेज को समाप्त किया जाना

***66 श्री राम नाथ ठाकुरः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार से गुजरने वाली जिन-जिन रेलगाड़ियों के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव (स्टॉपेज) को कोविड-19 चरण के पश्चात समाप्त कर दिया गया है, उन स्टेशनों का क्षेत्र-वार/मंडल-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षो के दौरान बिहार के विभिन्न स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के ठहराव (स्टॉपेज) को समाप्त किये जाने संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार की बिहार में कितने रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न रेलगाड़ियों के लिए ठहराव (स्टॉपेज) बनाने की योजना है?

उत्तर

रेल मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

बिहार में रेलगाड़ियों के स्टॉपेज को समाप्त किए जाने के संबंध में दिनांक 22.07.2022 को राज्य सभा में श्री राम नाथ ठाकुर के तारांकित प्रश्न सं. 66 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) से (ग): भारतीय रेल में रेलगाड़ी सेवाओं का परिचालन राज्य-वार आधार पर नहीं किया जाता है क्योंकि रेल नेटवर्क राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है। इसके अलावा, भारतीय रेल ने आईआईटी-मुंबई की सहायता से समय-सारणी को युक्तिसंगत बनाने का कार्य शुरू किया है जिससे अन्य बातों के साथ-साथ अनुरक्षण गलियारा ब्लॉकों का सृजन करके, मौजूदा समय-सारणी में विसंगतियों को कम करके आदि से बेहतर यात्री संरक्षा प्रदान की जा सकेगी। इस प्रक्रिया में ठहरावों को युक्तिसंगत बनाना भी शामिल था। तदनुसार, बिहार राज्य में स्थित पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के 94 स्टेशनों पर कुछ रेलगाड़ियों का ठहराव बंद कर दिया गया है। बहरहाल, इन स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में रेलगाड़ी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जो प्रचालनिक व्यवहार्यता और वाणिज्यिक औचित्य पर निर्भर करती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलगाड़ियों के ठहराव का प्रावधान और इन्हें युक्तिसंगत बनाना एक सतत प्रक्रिया है।

******

श्री राम नाथ ठाकुर : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...कोरोना के कारण...(**व्यवधान**)...वहाँ जो ट्रेन उन स्टेशन पर रुकती थीं...(**व्यवधान**)...क्या भारत सरकार ...(**व्यवधान**)...मंत्री जी रुकवाने का काम करेंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री अश्वनी वैष्णव : मान्यवर उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है, सदन के बाहर भी उठाया है, उसमें मैं यह कहना चाहूंगा कि रेलवे में अगर मैन्टेनेन्स करना होता है तो मैन्टेनेन्स अन्य जगह के कंपेरिज़न में अलग तरीके से होता है। रेलवे में जब मैन्टेनेन्स करते हैं तो एक साइड में डायवर्शन दिया गया तो उस डायवर्शन के कारण यह हुआ। ..(**व्यवधान**)...रेलवे में ट्रैक के मैन्टेनेन्स के लिए ट्रेन्स को रोकने की जरूरत पड़ती है।...(**व्यवधान**)...इसके कारण जिस तरह से पहले के काल में स्टॉपेजेज़ लिए गए थे, 2019 में डायरेक्टर, मैन्टेनेन्स के साथ मिलकर एक बड़ी एक्सरसाइज़ हुई थी, जिसमें रेलवे को 24 घंटे में से...(**व्यवधान**)...तीन घंटे का जो पीरियड चाहिए, वह पीरियड मिले, उसके हिसाब से पूरे के पूरे टाइम टेबल को रीड्राफ्ट किया गया। इसके कारण देश भर में करीब-करीब 9,500 के आस-पास स्टॉपेजेज़ निकालने पड़े। कई बार कुछ बड़ी प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने के लिए कुछ कड़े डिसीज़न लेने पड़ते हैं। यह भी एक ऐसा ही कड़ा डिसीज़न लिया गया था, जिसके कारण आज रिज़ल्ट्स हमारे सामने हैं।...(**व्यवधान**)...इसके पहले ट्रेन्स की पंक्चुएलिटी 60-65 प्रतिशत होती थी, वह आज 85 से 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मैंने करीब-करीब सारी ट्रेन्स की जानकारी ली है।...(**व्यवधान**)...साथ ही साथ जिस तरीके से रेलवे में मैन्टेनेन्स की कमी हो रही थी, जिसके कारण एक्सीडेंट्स बढ़ रहे थे, आज की स्थिति यह है कि मैन्टेनेन्स ठीक टाइम से होने के कारण पैसेंजर्स की सेफ्टी भी बढ़ी है, यह उस काल में एक्सरसाइज़ का परिणाम है। यह कड़ा डिसीज़न है, लेकिन इसके कारण देश में पैसेंजर्स की सेफ्टी भी बढ़ी है और पंक्चुएलिटी भी बढ़ी है।...(**व्यवधान**)...

श्री राम नाथ ठाकुर : उपसभापति जी, मैन्टेनेन्स में कोई गड़बड़ी नहीं है, लेकिन मुझे आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना है कि ...(**व्यवधान**)...

श्री अश्वनी वैष्णव : मान्यवर उपसभापति महोदय, ...(व्यवधान)...कमेटी बनी है या नहीं बनी है, उससे सम्बन्ध नहीं है, लेकिन ट्रैक को डेली मेन्टेन करने की जरूरत पड़ती है।...(**व्यवधान**)... रेलवे ट्रैकमैन रोजाना सुबह उठकर, पूरा किट लेकर, सामान अपने कन्धे पर लादकर डेली 9 किलोमीटर ट्रैक का इंस्पेक्शन करता है, अगर यह इंस्पेक्शन नहीं हो, अगर डेली ट्रैक की रिपेयर और मैन्टेनेन्स नहीं हो तो क्या परिस्थिति होगी, ...(**व्यवधान**)...यह हम सब समझ सकते हैं, इसलिए ट्रैक में कोई वन टाइम वर्क की बात नहीं होती, यह डेली, रैगुलर मेंटेनेंस का प्रश्न है और उसमें हमें कोई कॉम्प्रोमाइज़ नहीं करना चाहिए।...(**व्यवधान**)...

श्री राकेश सिन्हा : उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि स्टेशनों पर दशकों से यह प्रथा चालू है...(**व्यवधान**)...क्या बेगूसराय को इंडस्ट्रियल सिटी की तरह ट्रीट किया जायेगा? ...(**व्यवधान**)...उसे एक जिले के रूप में देखें तो

ऐसे अनेक स्थान हैं, ...(**व्यवधान**)...जो औद्योगिक क्षेत्र में रुकनी चाहिए, वह नहीं रुकती है तो मेरी मंत्री जी से मांग है कि कोलकाता से बेगूसराय और बेगूसराय से नई दिल्ली, इन दो ट्रेनों को रोकने की व्यवस्था करें। उसके साथ ही साथ ...(**व्यवधान**)...एक्सप्रैस रुका करती थी, जिसमें विद्यार्थी लोग शिक्षा के लिए जाते थे, उस ट्रेन को फिर से शुरू किया जाये।...(**व्यवधान**)...

श्री अश्वनी वैष्णव : मान्यवर उपसभापति महोदय, स्टॉपेजेज़ किस कारण से कम हुए, उसके विषय में विस्तार से मैंने आपके सामने बात रखी।...(**व्यवधान**)... मान्यवर सांसद महोदय का अगर स्पेसिफिक कोई कारण है तो मेरा कार्यालय हमेशा माननीय सासंदों के लिए खुला है, कभी भी शाम को 5.00-5.30 बजे के बाद आप कार्यालय में पधारें।...(**व्यवधान**)...जो इंडिविजुअल किसी भी सांसद महोदय का प्वाइंट है, उस पर जरूर हम विचार करेंगे।...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Q.No. 67. The questioner is not present.